[Total No. of Printed Page : 4] Roll No.....

डी. पी. जे. 103

विवाह एवं मेलापक विचार

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा (डी0पी0जे0-12/16/17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक: 80

नोट: यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (3) खण्डों क, ख तथा ग में विभाजित है, शिक्षार्थियों का इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में चार (4) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित है, शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. दक्षिण भारतीय मिलान पद्धति एवं ग्रहमेलापक का विवेचन कीजिए।

2. दशा एवं गोचर से मेलापक का विस्तार से प्रतिपादन करें।

3. ग्रहों के शुभाभुमस्कान स्थान एवं वेध का उल्लेख करें।

4. गणकूटदोष एवं उसके परिहार का प्रतिपादन कीजिए।

खण्ड ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'ख' में आठ (8) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित है, शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. विवाह मेलापक में आयु विचार लिखिये।

2. प्रश्नलग्न से सन्तति विचार लिखिये

3. प्रश्नलग्न से विवाह भङ्गयोग लिखिये।

4. माङ्गलिकदोषपरिहार का विवेचन लिखिये।

5. शनि की ढैय्या का विचार लिखिये।

6. शनि की साढ़े साती का फल।

7. विवाह में ज्येष्ठ मास का विधि-निषेध।

8. तारागुण विचार।

खण्ड - ग
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट: खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये है। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (1) अंक निर्धारित है, इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. क्षत्रियवर्ण राशि है।

   (क) सिंह

   (ख) कन्या

   (ग) तुला

   (घ) वृश्चिक

2. अष्टकूटों में योनि के गुण है।

   (क) 03

   (ख) 04

   (ग) 05

   (घ) 06

3. 'ऋष' किस राशि की संज्ञा है?

(क) वृष

(ख) कर्क

(ग) वृश्चिक

(घ) मीन

4. किस भाव की सहम संज्ञा है।

(क) प्रथम

(ख) तृतीय

(ग) पन्चम

(घ) नवम

5. किस नक्षत्र की 'रौद्र'' संज्ञा है।

(क) मृगशीर्ष

(ख) आर्द्रा

(ग) मद्या

(घ) अनुराधा

6. पञ्चास्य से किस राशि का बोध होता है?

(क) मेष

(ख) सिंह

(ग) तुला

(घ) मीन

7. ''शैल'' शब्द से किस संज्ञा का ज्ञान होता है?

(क) 05

(ख) 07

(ग) 08

(घ) 11

8. किस नक्षत्र के आदि की दो घड़ी नक्षत्रगण्ान्त कहलाती है?

(क) मूल

(ख) आश्लेषा

(ग) हस्त

(घ) रेवती

9. धनु राशि का स्वामी है-

(क) बुध

(ख) गुरू

(ग) शुक्र

(घ) शनि

10. विवाह लग्न से किस स्थान में शनि अशुभ होता है?

(क) द्वितीय

(ख) तृतीय

(ग) दशम

(घ) द्वादश

*****